



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 236]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 8, 1992/चैत्र 19, 1914

No. 236] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 8, 1992/CHAITRA 19, 1914

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अप्रैल 1992

का प्रा 271(अ) - केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड व्यव कर अधिनियम 1987 (1987 का 15) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, व्यव कर नियम, 1987 का और संपादन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् -

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम व्यव कर (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 व्यय कर नियम, 1987 में प्ररूप सं 3 के स्थान पर निम्नलिखित राजा नापका प्ररूप

“प्ररूप सं. 3

आय कर

प्ररूप सं. 3

व्यय कर अधिनियम, 1987

अध्या 8(1) 8(2) नियम 5

प्रभाय व्यय की आगत प्राप्त मदायों के वाता
की विवरणी

आप-आप वातालय में नपयोग के निः

स्पष्ट अक्षरों में नाम

म्यायी लेखा में.

स्पष्ट अक्षरों में काबालिय का पता

कुरभाय में.

आर्थ/भक्ति

अर्था निर्धारित किया गया/निर्धारणीय है

निर्धारण वर्ष

यदि यह पुनरीक्षित विवरणी है तो रूपका प्रस्तुत की गई पूर्ववर्ती विवरणी की रसीद सं. और
नारीका लिखें

हा/नहीं

रसीद सं

दिन

मास

वर्ष

प्राप्ति

(संकेतिकी का प्रयोग करें, देखिए दिव्य 1)

लिखें क्या वह निवासी/अनिवासी/मामूली और से निवासी नहीं है
निम्नलिखित संकेतिकी का प्रयोग करें :

निवासी 01, अनिवासी 02, मामूली और से निवासी नहीं है 03

भाग-1

प्रभाय व्यय का विवरण

1. कुल प्रभाय उपगत व्यय।

क. निम्नलिखित के उपबन्ध के संबंध में किसी हाटल द्वारा -

- (क) कोई काम-स्थान प्राकृतिक या अत्यन्त
- (ख) हाटल द्वारा खाद्य या पेय चीजें हाटल में या बाहर
- (ग) हाटल में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खेरा या पका
- (घ) किराया या पट्टे पर होटल में कोई काम-स्थान
- (ङ) होटल द्वारा हाटल में कोई अन्य सेवाएँ, श्रुंगार कला केंद्र, स्वास्थ्य कार्य चरण-नाल के रूप में या अन्य किसी भी सेवाएँ
- (च) किसी अन्य व्यक्ति द्वारा हाटल में कोई अन्य सेवाएँ, श्रुंगार कला केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, चरण-नाल के रूप में या अन्य किसी भी सेवाएँ

ख. निम्नलिखित के उपबन्ध के संबंध में किसी रेस्टो (धारा 2 की उपधारा 4 में यथा परिभाषित) द्वारा -

- (छ) रेस्टो द्वारा खाद्य या पेय चीजें रेस्टो में या बाहर।
- (ज) रेस्टो में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खाद्य या पेय।

ग. योग (क+ख)

2. शुद्ध प्रभाय व्यय (वसूली के निवर्तन में गुणज्ञ तब यथा पूर्णकृत व्यय कर अधिनियम, 1987 की धारा 24 द्वारा व्यवहार का यथा लागू आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 288ए)

भाग-2

आय कर का विवरण

प्रभाय व्यय संग्रहीत व्यय कर सरकार को सौंप कर का विवरण और उसके सदाब की (मासवार) दर

क्रम सं.	प्रभाय व्यय	संग्रहण योग्य व्यय-कर	संग्रहीत आय-कर	सरकार को सौंप व्यय-कर	सदाब की तारीख (चालान संलग्न करें)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
योग					

अधी तक संग्रहीत किए जाने वाले व्यय कर का प्रतिशत
स्लैब (3) - स्लैब (4)

सरकार को सौंप किए जाने वाले व्यय कर का प्रतिशत
स्लैब (4) - स्लैब (5)

अधी में _____

शब्दों में _____

अधी में _____

शब्दों में _____

भाग—३

प्रमाण व्यय से सम्मिलित न की गई अन्य राजिया और जिनका करायेय न मान का दावा किया गया है

[धारा 5(i) से (iv) तक देखिए]

विशिष्टियां	रकम	कारण यथाय वि क्या करायेय नहीं है
-------------	-----	----------------------------------

सत्यापन

(टिप्पण 2 और 3 देखिए)

मैं की

(स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम)

..... का *पुत्र/की पुत्री/की पत्नी और

(होटल)

(रैम्प्टा/शुगार क्ला केंद्र, स्वास्थ्य क्लब, तरंग ताल यादि का नाम)

का/की हैं मन्त्रिष्ठा मे घोषणा करता हू/करती हू कि इस विवरणी और सत्य विवरणों मे दी गई
(पदनाम)जानकारी मेर सर्वोत्तम भाव और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उसमे दार्जित प्रमाण व्यय का राहम और अन्य विशिष्टिया सही सही बताई गई
हैं और 1 अप्रैल, 19 को प्रारम्भ होते वाले निर्वाचन वर्ष मे सुममन विवरण व्यय के सबध मे है।मैं मन्त्रिष्ठा से यह भी घोषणा करता हू/करती हू कि उक्त विवरणी वर्ष के दौरान कोई अन्य प्रकार का *पटव/रैम्प्टा/शुगार क्ला केंद्र/स्वास्थ्य क्लब
तरंग ताल मे या किसी अन्य सेवा के सबध में, जिसे यह अधिनियम लागू होता है, उपागत नहीं किया गया है।

मैं यह भी घोषणा करता हू/करती हू कि मैं को हेमियन मे *पटव रैम्प्टा/शुगार क्ला

(पदनाम)

केन्द्र/स्वास्थ्य क्लब/तरंग ताल, यादि की ओर से यह विवरणी तैयार करने और इस गवाही करने के लिए मुक्षम हू।

तारीख

स्थान

14 मार्च 2

टिप्पण:

1. हेमियन उपबर्शन करने के लिए कृपया निम्नलिखित सकेतिको स. का प्रयोग करें

— व्यष्टि	01
— हिन्दू अधिभक्त कुटुम्ब (सीले उत्प्लिखित से भिन्न)	02
— हिन्दू अधिभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की पूर्ववर्ती वर्ष में कुल आय 18000 रुपये से अधिक है	03
— अरजिस्ट्रीकृत फर्म	04
— रजिस्ट्रीकृत फर्म (वृत्ति में सगी हुई से भिन्न)	05
— रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में सगी हुई है	06
— व्यक्तियों का संगम (स्थ. का स.)	07
— व्यक्तियों का संगम (व्याय)	08
— व्यष्टियों का निकाश (स्थ. का नि.)	09

*जो लागू हो उसे काट दें।

--- अलग व्यक्ति का पिता	10
--- गृहकार्य या गृहस्थी	11
--- कोई देशी कंपनी जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हिस्सेदार है	12
--- कोई देशी कंपनी जो किसी कंपनी नहीं है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हिस्सेदार है और जो व्यापारिक कंपनी या वित्तीय कंपनी नहीं है	13
--- कोई देशी कंपनी जो एक व्यापारिक कंपनी या कोई वित्तीय कंपनी है और जो एक देशी कंपनी भी है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हिस्सेदार नहीं है	14
--- देशी कंपनियों में से कोई कंपनी	15
--- स्थानीय प्राधिकारी	16

2. यह विवरणी निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर की जानी चाहिए

- (ग) किसी व्यक्ति की दशा में स्वयं व्यक्ति द्वारा, जहां व्यक्ति भारत में बाहर है जहां संबंधित व्यक्ति द्वारा या ऐसे व्यक्ति द्वारा या इन निमित्त उनके द्वारा समस्त रूप से प्राधिकृत हो और जहां यह व्यक्ति अपने दायों की देखभाल करने में मानसिक रूप से प्रभावित है वहां उनके मरुशक द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो उनकी आर में कार्य करने के लिए सक्षम हो।
- (ख) हिंदू अधिवक्ता पुरुष की दशा में कर्ता द्वारा और जहां कता भारत में बाहर है या अपने दायों की देखभाल करने में मानसिक रूप से प्रभावित है वहां ऐसे पुरुष के किसी अन्य व्यक्ति मरुशक द्वारा।
- (ग) किसी कंपनी की दशा में, उसके प्रबन्ध निदेशक द्वारा या जहां किसी अप्रतिष्ठा कारण से ऐसा प्रबन्ध निदेशक विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में समर्थ नहीं है या जहां कोई प्रबन्ध निदेशक नहीं है वहां उनके किसी भी निदेशक द्वारा या प्रतिनिधी की दशा में जहां किसी व्यक्ति का निर्धारण किया गया है जिसे अधि-कर अधिनियम 1961 की धारा 163 के अधीन उसके प्रतिनिधी के रूप में माना गया है वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा।
- (घ) किसी फर्म की दशा में, उसके प्रबन्ध भागीदार द्वारा या जहां किसी अप्रतिष्ठा कारण से ऐसा प्रबन्ध भागीदार विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में समर्थ नहीं है या जहां कोई ऐसा प्रबन्ध भागीदार नहीं है वहां उनके किसी भी भागीदार द्वारा, जो अवयस्क नहीं है।
- (ङ) स्थानीय प्राधिकारी की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा।
- (च) किसी अन्य संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा और
- (छ) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में उस व्यक्ति द्वारा या उसकी आर में कार्य करने के लिए सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा।

4. सत्यापन पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षर कर्ता का अपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण है। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के विवरणों में कोई मिथ्या कथन करेगा, अधि-कर अधिनियम 1987 की धारा 27 के अधीन अधियोजन के लिए दायी होगा और शोषमिद्धि पर कठोर कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी, किन्तु जो मास वर्ष तक की हो सकती, और जुर्माने में दंडनीय होगा।

4. अधि-कर अधिनियम 1987 की धारा 7 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार किसी भी कलेक्टर मास के दौरान संग्रहीत कर, उक्त कलेक्टर मास से ठीक अगले मास की 10 तारीख तक केन्द्रीय सरकार के खाने में संभाल किया जाएगा और ऐसे मासिक संदाय का सङ्ग्रह इस विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

[स 9022/का स 134/9/92-टी पी एल]

के एम प्रसाद, प्रबन्ध सचिव

पाद टिप्पण—अध्य कर्त नियम समय-समय पर संशोधित किए गए जा का आ. 939 (अ) दिनांक 26-10-87 द्वारा अधिसूचित किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th April, 1992

S.O. 271(E):—In the exercise of powers conferred by section 31 of Expenditure-tax Act, 1987 (35 of 1987) the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following rules further to amend the Expenditure Tax Rules, 1987, namely :—

SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :—

- (1) These rules may be called the Expenditure-tax (Amendment) Rules, 1992.
- (2) They shall come into effect on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Expenditure tax Rules, 1987, for the Form No 3, the following form shall be substituted namely

FORM NO 3
EXPENDITURE-TAX

Form No 3
The Expenditure-Tax
Act, 1987

Return of Aggregate of the
Payments received in respect of
Chargeable Expenditure

For use In income-tax Office

Section 8(1)(2) Rule 5

Name in Block Letters

Permanent Account No

Office Address in Block Letter
Telephone No

Ward Circle
Where Assessed
Assessable

Assessment Year

If This is a Revised Return, Please State the
Receipt No and Date of Furnishing the Previous Return

Yes/No

Receipt No

Date Month Year

Status

(Use Code See Note I)

State Whether Resident/Non-Resident/Not
Ordinarily Resident

(Use the Following Codes Resident 01, Non-Resident 02,
Not Ordinarily Resident 03)

PART-I

Statement of Chargeable Expenditure

I Total chargeable expenditure incurred

A. By a hotel in connection with the provision of —

(a) my accommodation, residential or otherwise

(b) food or drink by the Hotel whether at the hotel or outside

(c) food or drink by any other person at the Hotel

- (d) Any accommodation in the Hotel on hire or lease
- (e) any other services at the Hotel, by the Hotel by way of beauty parlour, health club, swimming pool or other similar services.
- (f) any other services at the Hotel by any other person by way of beauty parlour, health club, swimming pool or other similar services.
- B By a restaurant (as defined in sub-section 9A of section 2) in connection with the provision of:—
- (g) food or drink by the restaurant, whether at restaurant or outside.
- (h) food or drink by any other person in the restaurant
- C. Total (A+B) :

2. Net chargeable expenditure (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—section 288A of the Income-tax Act, 1961, as applied to Expenditure-tax by section 24 of the Expenditure-Tax Act, 1987)—

PART II

STATEMENT OF EXPENDITURE-TAX

Break-up of chargeable expenditure, expenditure-tax collected, tax paid to Government and rate of payment thereof (Monthwise)

Sl. No.	Chargeable expenditure	Expenditure tax collectible	Expenditure tax collected	Expenditure tax paid to Govt.	Date of payment (attach challans)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
TOTAL					

Balance of expenditure-tax yet to be collected

Col. (3)—Col. (4)

In figures

In words

Balance of expenditure-tax to be paid to Government

Col. (4)—Col. (5);

In figures

In words

PART III
OTHER SUMS NOT INCLUDED IN CHARGEABLE EXPENDITURE AND CLAIMED
TO BE NOT TAXABLE

[See section 5(i) to (iv)]

Particulars	Amount	Reason, why not taxable

Verification

[See Notes 2 and 3]

I.....*son/daughter/wife of
 [Name in full and in block letters]
 Shri.....being the..... of
 *[Designation]

.....solemnly
 [Name of the Hotel/Restaurant, Beauty Parlour, Health Club, Swimming Pool, etc.]
 declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the statements accompanying it is correct and complete and that the amount of chargeable expenditure and other particulars shown therein are truly stated and relate to the financial year relevant to the assessment year commencing on the 1st day of April, 19.....

I further solemnly declare that during the said financial year, no other chargeable expenditure has been incurred in the *hotel/restaurant/beauty parlour/health-club/swimming pool or in respect of any other service to which the Act applies.

I further declare that in my capacity as.....I am
 [designation]
 competent to make this return and verify it on behalf of the *hotel/restaurant/beauty parlour/health-club/swimming pool, etc.

Date—.....

Place.....

Signature

Notes :

1. For indicating the status please use the following code numbers :

- | | |
|---|----|
| —Individual | 01 |
| —Hindu undivided family (other than the one mentioned below) | 02 |
| —Hindu undivided family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 18,000 | 03 |
| —Unregistered firm | 04 |
| —Registered firm (other than one engaged in profession) | 05 |
| —Registered firm engaged in profession | 06 |

*Delete whichever is not applicable

—Association of persons (AOP)	07
—Association of persons (Trusts)	08
—Body of individuals (BOI)	09
—Artificial juridical person	10
—Co-operative society	11
—A domestic company in which public are substantially interested	12
—A domestic company which is not a company in which the public are substantially interested and which is not a trading company or an investment company	13
—A domestic company which is a trading company or an investment company and is also a company in which the public are not substantially interested	14
—A company other than a domestic company	15
—Local authority	16

2. This return should be signed by :

- (a) In the case of an individual, by the individual himself; where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf; and where the individual is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- (b) In the case of a Hindu undivided family, by the karta, and where the karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
- (c) In the case of a company, by the managing director thereof, or where for any unavoidable reason such managing director is not able to sign and verify the return, or where there is no managing director, by any director thereof, or, where in the case of a non-resident, the assessment has been made on any person who has been treated as his agent under section 163 of the Income-tax Act, 1961, by such person;
- (d) In the case of a firm by the managing partner thereof, or where for any unavoidable reason, such managing partner is not able to sign and verify the return, or where there is no managing partners as such, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) In the case of a local authority, by the principal officer thereof;
- (f) In the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (g) In the case of any other person, by that person or by some person competent to act on his behalf.

3. Before signing the verification, the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement, in this return or the accompanying statements, shall be liable to prosecution under section 27 of the Expenditure tax Act, 1987, and on conviction, be punishable with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than three months but which may extend to seven years and with fine.

4. The tax collected during any calendar month in accordance with the provisions of sub-section (1) of section 7 of the Expenditure-tax Act, 1987, shall be paid to the credit of the Central Government by the 10th day of the month immediately following the said calendar month, and proof of such monthly payment should be attached alongwith this return.”.

[No. 9022/F. No. 134/9/92-TPL]

K. M. PRASAD, Under Secy.

FOOT NOTE : Expenditure-tax Rules amended from time to time was notified vide S.O. 939(E) dated 26-10-87.

